

Paper Theory

Part A Introduction			
Program: Honours/Research	Class : B.A.	Year: IV	Session: 2024-25
Subject: Music Talvaday (Tabla / Pakhawaj)			
1	Course Code	A4-MSTV2D	
2	Course Title	Bhartiya Tal Vaday Shastra (Paper - II)	
3	Course Type (Core Course/ Discipline Specific Elective)	DSE - II	
4	Pre-requisite (if any)	To study this course, a student must have had this subject in Degree.	
5	Course Learning outcomes (CLO)	<p>On successful completion of this course, the students will be able to:</p> <ol style="list-style-type: none"> 1. According to the Indian knowledge "Tradition student will be able to gain knowledge the ancient & vedik Time percussion, instruments history, and their development. 2. Will be able to do the Percussion instruments history, Introduction, utility & their structures. 3. Will be able to know the history of tradition of Tabla & Pakhawaj. 4. Have Gain the knowledge of the Legends of their field and the Eminent Artist of Madhya Pradesh of there field and these Contribution. 5. Will be able to know the knowledge of Folk Music Intruments of Madhya Pradesh. 	
6	Credit Value	1	
7	Total Marks	Max. Marks: 30 + 70	Min. Passing Marks: 35
Part B- Content of the Course			
Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week):			
L-T-P: No. Of Lectures 60(1 Hour Each)			
Unit	Topics	No. of Lectures	
1	<ol style="list-style-type: none"> i. The history of ancient percussion instrument and their development ii. A brief introduction of vedic kalin and mahabharat kalin percussion instruments 	4	
2	<ol style="list-style-type: none"> i. A brief introduction of indian main ghanvaday and their history and their utility ii. Introduction of the main avnadhya and ghan vadhy 	4	
3	<ol style="list-style-type: none"> i. Origen of tabla and pakhawaj and development and their importance in indian music ii. Origen and development of the gharana of tabla and pakhawaj 	4	
4	<ol style="list-style-type: none"> i. Life sketch, biography and contribution on music these legends 1. Pandit Sanju sahay 2. pandit bhavani shankar 3. Ustad Jakir Husian 4. pandit Manik Munde 5. Pt. Kiran Deshpande 6. Ustad Akraam Khan ii. study of Madhya Pradesh folk music and introduction of famous folk instruments 	3	

Keywords/Tags: Ajrada banaras gharane ki vadan vishestaye		
Part C-Learning Resources		
Text Books, Reference Books, Other resources		
Suggested Readings:		
1. Bhartiya sangeet vaday - Dr. Lal Mani Mishra		
2. Pakhawaj or tabla ke gharane ki paramparaiye - Dr. Avani Mishri		
3. Madhya Pradesh Ka lok Sangeet - Dr. Sharif Mohammed		
4. Bhartiya Taal Vadayo ki upyogita - Dr. Chitra Gupta		
5. Bhartiya Taal ka Shastri Vivechan - Dr. Arun Kumar Sen		
6. Hamare Sangeet Ratan - Dr. Laxmi Narayan Garg		
Suggested equivalent online courses:		
Part D-Assessment and Evaluation		
Suggested Continuous Evaluation Methods:		
Maximum Marks : 100		
Continuous Comprehensive Evaluation (CCE) : 30 Marks University Exam (UE) 70 marks		
Internal Assessment : Continuous Comprehensive Evaluation (CCE)	Class Test Assignment/Presentation	30
External Assessment : University Exam Section Time : 03.00 Hours	Section(A) : Very Short Questions Section (B) : Short Questions Section (C) : Long Questions	70
Any remarks/ suggestions:		

सैद्धांतिक प्रश्नपत्र

भाग अ - परिचय			
कार्यक्रम: आनर्स/रिसर्च	कक्षा : बी. ए.	वर्ष: चतुर्थ	सत्र: 2024-25
विषय: संगीत ताल वाद्य (तबला / पखावज)			
1	पाठ्यक्रम का कोड	A4-MSTV2D	
2	पाठ्यक्रम का शीर्षक	भारतीय ताल वाद्य शास्त्र	
3	पाठ्यक्रम का प्रकार :(कोर कोर्स/ डिसिप्लिन स्पेसिफिक इलेक्टिव.)	(सैद्धांतिक) DSE - II	
4	पूर्वापेक्षा (Prerequisite) (यदि कोई हो)	इस कोर्स का अध्ययन करने के लिए, छात्र ने विषय का अध्ययन डिग्री में किया हो।	
5	पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियां (कोर्स लर्निंग आउटकम) (CLO)	इस पाठ्यक्रम के सफल समापन पर, विद्यार्थी निम्न से सक्षम होंगे: 1. भारतीय ज्ञान परंपरा के अन्तर्गत प्राचीन एवं वैदिक कालीन अवनद्ध वाद्यों के इतिहास, विकासक्रम की जानकारी प्राप्त करेगा। 2. भारतीय प्रमुख घन वाद्यों के इतिहास, परिचय अंगों की जानकारी एवं उपयोगिता का अध्ययन करेगा। 3. पखावज एवं तबले की उत्पत्ति, विकास, एवं भारतीय संगीत में इनके महत्व की जानकारी प्राप्त करेगा साथ ही पखावज एवं तबले के घरानों की विस्तृत जानकारी प्राप्त करेगा। 4. संगीत के प्रतिष्ठित कलाकारों एवं प्रदेश के प्रमुख कलाकारों की सांगीतिक योगदान की जानकारी प्राप्त करेगा। 5. मध्यप्रदेश के लोकसंगीत एवं उसमें प्रयुक्त वाद्य यंत्रों से परिचित होगा।	
6	क्रेडिट मान	1	
7	कुल अंक	अधिकतम अंक: 100	न्यूनतम उत्तीर्ण अंक: 35
भाग ब- पाठ्यक्रम की विषयवस्तु			
व्याख्यान की कुल संख्या-ट्यूटोरियल-प्रायोगिक (प्रति सप्ताह घंटे में): L-T-P:			
इकाई	विषय	व्याख्यान की संख्या	
1	1. प्राचीन अवनद्ध वाद्यों का इतिहास एवं विकास क्रम। 2. वैदिक कालीन एवं महाभारत कालीन अवनद्ध वाद्यों का संक्षिप्त परिचय -	4	
2	1. भारतीय प्रमुख घनवाद्यों का इतिहास उसकी उपयोगिता का संक्षिप्त अध्ययन 2. प्रमुख अवनद्ध एवं घनवाद्यों का परिचय एवं संक्षिप्त वर्णन -	4	
3	1. पखावज एवं तबले की उत्पत्ति एवं विकास एवं भारतीय संगीत में उनके महत्व की जानकारी। 2. पखावज एवं तबले के घरानों का उद्भव एवं विकास	4	
4	1. निम्नांकित प्रतिष्ठित कलाकारों का जीवन परिचय एवं सांगीतिक योगदान - 1 पं. संजू सहायजी 2 पं. भवानी शंकर 3 उत्साद जाकिर हुसैन 4 पं. मानिक मुंडे 5 पं. किरण देशपाण्डेय 6 उत्साद अकरम खॉं। 2. म.प्र. के प्रमुख लोक संगीत का अध्ययन एवं प्रयुक्त वाद्ययंत्रों का परिचय -	3	
सार बिंदु (कीवर्ड)/टैग: अजराड़ा वनारस घराने की वादन विशेषताएँ			

भाग स-अनुशंसित अध्ययन संसाधन			
पाठ्य पुस्तकें, संदर्भ पुस्तकें, अन्य संसाधन			
अनुशंसित सहायक पुस्तकें /ग्रन्थ/अन्य पाठ्य संसाधन/पाठ्य सामग्री:			
1. भारतीय संगीत वाद्य - डॉ. लालमणि मिश्र			
2. पखावज और तबला के घराने एवं परंपरायें - डॉ. आबान ए मिस्त्री			
3. म.प्र. का लोक संगीत - डॉ. शरीफ मोहम्मद			
4. भारतीय ताल वाद्यों की उपयोगिता - डॉ. चित्रा गुप्ता			
5. भारतीय तालों का शास्त्रीय विवेचन - डॉ. अरूण कुमार सेन			
6. हमारे संगीत रत्न - पं. लक्ष्मी नारायण गर्ग			
2.अनुशंसित डिजिटल प्लेटफॉर्म/ वेब लिंक			
अनुशंसित समकक्ष ऑनलाइन पाठ्यक्रम:			
भाग द - अनुशंसित मूल्यांकन विधियां:			
अनुशंसितसतत मूल्यांकन विधियां:			
आंतरिक मूल्यांकन	अंक	बाह्य मूल्यांकन	अंक
कक्षा में संवाद /प्रश्नोत्तरी		प्रायोगिक मौखिकी (वायवा)	
उपस्थिति		प्रायोगिक रिकॉर्ड फाइल	
असाइनमेंट (चार्ट/मॉडल/सेमिनार/ग्रामीण सेवा/प्रौद्योगिकी प्रसार/भ्रमण(कस्कर्शन) की रिपोर्ट/ सर्वेक्षण/प्रयोगशाला भ्रमण (लैब विजिट)/औद्योगिक यात्रा		टेबल वर्क/प्रयोग	
कुल अंक	30		70
कोई टिप्पणी/सुझाव:			

Practical Paper

Part A Introduction			
Program: Honours/Research	Class : B.A.	Year: IV	Session: 2024-25
Subject: Music Tal Vaday (Tabla / Pakhwaj)			
1	Course Code	A4 MSTV 2Q	
2	Course Title	Bhartiya Tal Vaday Shastra (Paper II)	
3	Course Type (Core Course/ Discipline Specific Elective)	DSE - Paper II	
4	Pre-requisite (if any)	To study this course, a student must have had this subject in Degree.	
5	Course Learning outcomes (CLO)	On successful completion of this course, the students will be able to: <ol style="list-style-type: none"> 1. Students will develop the ability to perform on stage. 2. Ability to play independently in the rhythms of the syllabus 3. Knowledge of playing the tal's theka and ability to perform by hand will develop. 4. Will be able to a company with folk music 	
6	Credit Value	03	
7	Total Marks	Max. Marks: 30 + 70	Min. Passing Marks: 35
Part B- Content of the Course			
Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week):			
Unit	Topics	No. of Lectures (2 Hours Each)	
1	Ability to play a minimum of 15 minutes of independent playing as solo single on prachalit taal	15	
2	Student have the ability to play and recits the famous composition on teen taal of specials gharanans	15	
3	The knowledge of student to play the instrument and skills of play on the instrument which is used in folk music	15	
Keywords/Tags: Solo Playing, Sangati, Bandishes, Layakari, Tihayi			
Part C-Learning Resources			
Text Books, Reference Books, Other resources			
Suggested Readings:			
<ol style="list-style-type: none"> 1. Bhartiya sangeet vaday - Dr lal mani mishra 2. Pakhawaj or tabla ke gharane ewm paramparaiye - Dr. Avani Mishri 3. Madhya Pradesh Ka lok Sangeet - Dr. Sharif Mohammed 4. Bhartiye Taal Vadayo ki upyogita - Dr. Chitra Gupta 5. Bhartiye Taal ka Shastri Vivechan - Dr. Arun kumar Sen 6. Hamare Sangeet Ratan - Dr. Laxmi Narayan Garg 			
Suggested equivalent online courses:			

Part D-Assessment and Evaluation

Suggested Continuous Evaluation Methods:

Maximum Marks : 100

Continuous Comprehensive Evaluation (CCE) : 30 Marks University Exam (UE) 70 marks

Internal Assessment : Continuous Comprehensive Evaluation (CCE)	Class Test Assignment/Presentation	30
External Assessment : University Exam Section Time : 03.00 Hours	Section(A) : Very Short Questions Section (B) : Short Questions Section (C) : Long Questions	70

Any remarks/ suggestions:

Department of Higher Education

प्रायोगिक प्रश्न पत्र

भाग अ - परिचय			
कार्यक्रम: डिग्री /शोध	कक्षा : बी. ए.	वर्ष:चतुर्थ	सत्र: 2024-25
विषय: संगीत ताल वाद्य (तबला / पखावज)			
1	पाठ्यक्रम का कोड	A4MSTV2Q	
2	पाठ्यक्रम का शीर्षक	भारतीय ताल वाद्य शास्त्र	
3	पाठ्यक्रम का प्रकार :(कोर कोर्स/डिसिप्लिन स्पेसिफिक इलेक्टिव.)	(प्रायोगिक) मंच प्रदर्शन DSE - II	
4	पूर्वापेक्षा (Prerequisite) (यदि कोई हो)	इस कोर्स का अध्ययन करने के लिए, छात्र ने विषय का अध्ययन डिग्री में किया हो।	
5	पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियां (कोर्स लर्निंग आउटकम) (CLO)	इस पाठ्यक्रम के सफल समापन पर, विद्यार्थी निम्न से सक्षम होंगे: 1. छात्र/छात्राओं में मंचीय प्रदर्शन करने की क्षमता का विकास होगा। 2. पाठ्यक्रम के तालों में स्वतंत्र वादन करने की क्षमता। 3. पाठ्यक्रम के तालों के ठेकों को बजाने की जानकारी एवं हाथ की क्रिया से प्रदर्शन की क्षमता का विकास होगा। 4. लोक संगीत की संगति करने में सक्षम हो सकेगा।	
6	क्रेडिट मान	03	
7	कुल अंक	अधिकतम अंक: 100	न्यूनतम उत्तीर्ण अंक: 35
भाग ब- पाठ्यक्रम की विषयवस्तु			
व्याख्यान की कुल संख्या-ट्यूटोरियल-प्रायोगिक (प्रति सप्ताह घंटे में): L-T-P:			
इकाई	विषय	व्याख्यान की संख्या (1 घंटे/ व्याख्यान)	
1	प्रचलित तालों में से किसी एक ताल में न्यूनतम 15 मिनट स्वतंत्र वादन की क्षमता।	15	
2	तीनताल में विशेष घरानों की बंदिशों का वादन एवं पढन्त करने की क्षमता।	15	
3	लोकसंगीत की संगति में प्रयुक्त प्रमुख तालों का ज्ञान एवं वाद्य पर वादन करने की क्षमता।	15	
सार बिंदु (कीवर्ड)/टैग:			
भाग स-अनुशंसित अध्ययन संसाधन			
पाठ्य पुस्तकें, संदर्भ पुस्तकें, अन्य संसाधन			
अनुशंसित सहायक पुस्तकें /ग्रन्थ/अन्य पाठ्य संसाधन/पाठ्य सामग्री:			
1. भारतीय संगीत वाद्य - डॉ. लालमणि मिश्र			
2. पखावज और तबला के घराने एवं परंपरायें - डॉ. आबान ए मिस्त्री			
3. म.प्र. का लोक संगीत - डॉ. शरीफ मोहम्मद			
4. भारतीय ताल वाद्यों की उपयोगिता - डॉ. चित्रा गुप्ता			
5. भारतीय तालों का शास्त्रीय विवेचन - डॉ. अरूण कुमार सेन			
6. हमारे संगीत रत्न - पं. लक्ष्मी नारायण गर्ग			
2.अनुशंसित डिजिटल प्लेटफॉर्म/ वेब लिंक			
अनुशंसित समकक्ष ऑनलाइन पाठ्यक्रम:			

भाग द - अनुशंसित मूल्यांकन विधियां:

अनुशंसितसतत मूल्यांकन विधियां:

आंतरिक मूल्यांकन	अंक	बाह्य मूल्यांकन	अंक
कक्षा में संवाद /प्रश्नोत्तरी		प्रायोगिक मौखिकी (वायवा)	
उपस्थिति		प्रायोगिक रिकॉर्ड फाइल	
असाइनमेंट (चार्ट/मॉडल/सेमिनार/ग्रामीण सेवा/प्रौद्योगिकी प्रसार/भ्रमण(कस्कर्शन) की रिपोर्ट/ सर्वेक्षण/प्रयोगशाला भ्रमण (लैब विजिट)/औद्योगिक यात्रा		टेबल वर्क/प्रयोग	
कुल अंक	30		70

कोई टिप्पणी/सुझाव: